कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा
ब्लॉक सी–3, द्वितीय एवं तृतीय तल, इंद्रावती भवन,
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

(Email - highereducation.cg@gmail.com Website - www.highereducation.cg.gov.in)

क्रमांक 2066 /444 / आउशि / सम. / 2021 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 04-10-21

प्रति,

1. **कुलसचिव,**
   समस्त विश्वविद्यालय,
   छत्तीसगढ़।
2. **प्राचार्य,**
   समस्त महाविद्यालय,
   छत्तीसगढ़।

विषय :– **भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा, भोपाल द्वारा निबंध प्रतियोगिता 2021 के आयोजन के संबंध में।**

संदर्भ :– श्री डी.पी.तिवारी, मानसेवी सचिव, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा कक्ष कं.3 आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा, भोपाल का पत्र क्रमांक 61 / भालोप्रसं / 2021 दिनांक 21 सितंबर 2021

******

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित है। उक्त संदर्भित पत्र में लेख है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी " **कोविड का शिक्षा पर प्रभाव (The impact of covid on education)**" विषय पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा भोपाल द्वारा वार्षिक निबंध प्रतियोगिता 2021 का आयोजन किया जा रहा है। निबंध भेजने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2021 है।

अतः उक्त निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आपके कार्यालय के समस्त छात्र / छात्राओं को प्रोत्साहित करने संबंधित आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार।

4.10.2021

(डॉ. एच.पी.खैरवार)
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

पृ.क्रमांक / /आउशि / सम. / 2021 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक.....

प्रतिलिपि :–

श्री डी.पी.तिवारी, मानसेवी सचिव, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा कक्ष कं.3 आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा, भोपाल को संदर्भित पत्र के परिप्रेक्ष्य में सूचनार्थ प्रेषित।

अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा
कक्ष कमांक 3, आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा, प्रशासन अकादमी,
1100 क्वार्टरस्, भोपाल 462016
INDIAN INSTITUTE OF PUBLIC ADMINISTRATION
MADHYA PRADESH AND CHHATISGARH REGIONAL BRANCH
CHAMBER NO.3, R.C.V.P.NORONHA ACADEMY OF ADMINISTRATION,
1100 QUARTERS, BHOPAL 462016
PHONE NO. (0755) 2461095 E-mail : iipa.mp@gmail.com

No.: L-201 22 AD (K) /JD/ /DD Section Sanjay
Date 27 SEP 2021 C.H.E.

सभी को सूचना भेजे।

क्रमांक 61 /भालोप्रसं/2021 भोपाल, दिनांक 21 सितम्बर, 2021

प्रिय श्रीमती शारदा वर्मा जी,

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा, भोपाल द्वारा वार्षिक निबन्ध प्रतियोगिता 2021 का आयोजन किया जा रहा है । आपके द्वारा दिये जाने वाले सहयोग से ही महाविद्यालय तथा उसमें अध्ययनरत् छात्र–छात्रायें इस प्रतियोगिता से परिचित एवं लाभान्वित हो पाते हैं । संस्थान द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को निबन्ध प्रतियोगिता में सम्मिलित होने पर प्रमाण–पत्र भी दिया जाता है ।

इस वर्ष का निबन्ध प्रतियोगिता का विषय है **"कोविड का शिक्षा पर प्रभाव (The impact of covid on education)"** । आप से अनुरोध है कि आप इस निबन्ध प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये छात्रों एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यो को परिपत्र द्वारा सूचित करने का कष्ट करें । इस संदर्भ में भेजे जाने वाले परिपत्र का प्रारूप एवं सूचना की प्रति संलग्न किये जा रहे हैं । इस प्रतियोगिता से हमारे नवयुवाओं को इस विषय के बारे में चिन्तन करने का सुअवसर प्राप्त होगा । निबन्ध भेजने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर, 2021 रखी गई है ।

अतः अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार परिपत्र एवं प्रतियोगिता के संबंध में सूचना समस्त महाविद्यालयों को भेजने की कार्यवाही शीघ्र की जाये ।

सधन्यवाद ।

भवदीय,

21/9/2021

(डी.पी.तिवारी)
मानसेवी सचिव
मोबाईल नम्बर 9425012607

प्रति,

श्रीमती शारदा वर्मा,
आयुक्त,
उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़,
ब्लाक नं.3, तृतीय मंझिल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर,
अटलनगर (छ.ग.) 942004

आयुक्त
महाविद्यालयीन शिक्षा संचालनालय
छत्तीसगढ़

क्रमांक रायपुर, दिनांक

प्रति,

प्राचार्य,
..... महाविद्यालय,
.....

विषयः— भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा, भोपाल द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता 2021 के आयोजन के संबंध में ।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा, भोपाल द्वारा **"कोविड का शिक्षा पर प्रभाव (The impact of covid on education)"** विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता 2021 आयोजित की जा रही है । आप से अनुरोध है कि अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को अपने विचार निबन्ध के रूप में उक्त संस्थान को भेजने के लिये प्रोत्साहित किया जाय । सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र भी दिये जावेंगे । निबन्ध हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में भेजा जा सकता है । छात्र–छात्राओं के मार्गदर्शन के लिये विषय संबंधी विचारणीय बिन्दु संलग्न है । **निबन्ध प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रतिभागी अपना स्वयं का पता एवं मोबाईल नम्बर लिखे जाने वाले निबन्ध पर स्पष्ट रूप से लिखें ।**

छात्र–छात्राओं के लिये निबन्ध भेजने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर, 2021 है । किसी संस्था अथवा महाविद्यालय द्वारा अपने सदस्यों अथवा छात्र–छात्राओं के निबन्ध एक साथ भेजे जाते हैं तो वे 31 दिसम्बर, 2021 तक प्राप्त हो जाना चाहिये । नियत तिथि के बाद प्राप्त निबन्धों पर विचार नहीं किया जायेगा ।

निबन्ध भेजे जाने वाले लिफाफे पर शब्द "वार्षिक निबन्ध प्रतियोगिता 2019" अंकित करते हुए निबन्ध सचिव, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा, कमरा नं.जी–03, प्रशासन अकादमी, 1100 क्वार्टरस्, भोपाल 462016 के पते पर भेजा जाय ।

भवदीय

.....

.....

कोविड का शिक्षा पर प्रभाव

फरवरी २०२० से देश तथा पूरा विश्व कोविड की महामारी से दो चार रहा है। अभी इस के थमने के आसार भी नज़र नहीं आ रहे हैं। छूत से फैलने वाली इस बीमारी का एक मात्र रोक थाम उपाय आपस में एक दूसरे से दूर रहना ही है। इस के कारण सभी शालायें, शैक्षिक संस्थान, सिनेमाघर, माल तथा सप्ताहिक बाज़ार सब बन्द कर दिये गये। शालाये एवं महाविद्यालय बन्द हो जाने के पश्चात शिक्षा प्राप्त करने का एक मात्र रास्ता इण्टरनैट पर शिक्षा प्राप्त करना था। इस परिस्थिति में सामान्य दिनचर्या में तथा अध्यापन प्रणाली में परिवर्तन लाना भी आवश्यक हो गया। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रख कर इस निबन्ध प्रतियोगिता में आप के विचार जानने के लिये विषय रखा गया है

कोविद का शिक्षा पर प्रभाव
the impact of covid on education

सर्वोत्तम निबन्ध के लिये पुरस्कार ५,००० रुपये है। द्वितीय पुरस्कार ३००० रुपये का तथा तृतीय पुरस्कार २००० रुपये का है। इस के अतिरिक्त पाँच पुरस्कार एक एक हज़ार रुपये के अगले पाँच निबन्धों को दिये जायें गे। इस प्रकार कुल पुरस्कार आठ हैं।

निबन्ध किसी एक नाम से ही लिखा जाना चाहिये। दो अथवा अधिक व्यक्तियों द्वारा मिल कर लिखे गये निबन्ध स्वीकार नहीं किये जायें गे। निबन्ध हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में हो सकते हैं पर मौलिक होना चाहिये। उन में इस बात का प्रमाण मिलना चाहिये कि लेखक ने इस विषय पर गम्भीरता से विचार किया है। केवल इतिहास लिखने अथवा विवराणात्मक तथा एक पक्षीय निबन्ध से प्रयोजन सिद्ध नहीं हो गा। लेखक कृपया अपना महाविद्यालय का तथा निवास का पता अवश्य लिखें। यदि मोबाईल हो तो उस का नम्बर भी लिखें ताकि सम्पर्क में आसानी हो सके।

निबन्ध की गुणवत्ता उस की लम्बाई से अधिक महत्वपूर्ण हो गी परन्तु निबन्ध की लम्बाई ३००० शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये। अधिक लम्बे निबन्ध को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाये गा। सभी निबन्ध साफ सुन्दर शब्दों में पृष्ठ के एक ओर ही लिखे अथवा मुद्रित होना चाहिये। इण्टरनैट पर भेजे गये निबन्ध अंग्रेज़ी में टाईम्ज़ न्यू रोमन में १२ साईज़ में होना चाहिये। हिन्दी में यह निबन्ध भी इसी प्रकार बड़े फाण्ट में होना चाहिये जैसे कृतिदेव अथवा देवलिस में १६ साईज़ के होना चाहिये। प्रतियोगियों के लिये विषय प्रवेश में सहायता देने के लिये नीचे कुछ बिन्दु दिये गये हैं। **यह केवल सहायता के लिये हैं** तथा प्रतियोगी अपने विचार व्यक्त करने में इस सें अलग स्वंरूप अपना सकते हैं।

लिफाफे पर शब्द ''वार्षिक निबन्ध प्रतियोगिता २०२१, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा'' अंकित किया जाना चाहिये। सभी निबन्ध सचिव, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय शाखा, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, कमरा न. ३, प्रशासन अकादमी, ११०० क्वाटर्स, भोपाल – ४६२०१६ को प्रेषित किये जाना चाहिये तथा उन्हें ३० नवम्बर २०२१ तक हमें प्राप्त हो जाना चाहिये। यदि किसी संस्था अथवा महाविद्यालय द्वारा अपने सदस्यों अथवा छात्रों के निबन्ध एक साथ भेजे जाते हैं तो ये ३१ दिसम्बर २०२१ तक प्राप्त हो जाना चाहिये। नियत तिथि के बाद प्राप्त निबन्धों पर विचार नहीं किया जाये गा।

जो निबन्ध इण्टरनैट द्वारा अथवा ई मेल द्वारा भेजे जाते हैं, उन में विषय में विषय के लिये निर्धारित स्थान पर **निबन्ध – कोविद का शिक्षा पर प्रभाव** अथवा **essay . the impact of covid on education** लिखा होना चाहिये।

निबन्ध प्रतियोगिता मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के सभी निवासियों के लिये है। इस बात की स्वयं घोषणा करना हो गी कि लेखक इन राज्यों में से एक का निवासी है। महाविद्यालय के छात्र एवं छात्रों से अपेक्षित है कि वे अपने महाविद्यालय के नाम के साथ साथ अपने निवास का पता भी लिखें।
निबन्ध का परीक्षण संस्था द्वारा नियुक्त परीक्षकों द्वारा किया जाये गा जिस के बारे में संस्था की कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लिया जाये गा। संस्था को यह अधिकार हो गा कि यदि कोई भी निबन्ध मान्य स्तर का नहीं है तो कोई पुरस्कार न दिया जाये। साथ ही पुरस्कार की राशि को संयुक्त विजेताओं में बाँटा जा सकता है। पुरस्कार प्राप्त निबन्ध संस्था तथा लेखक की संयुक्त सम्पत्ति हों गे।
इस सम्बन्ध में संस्था द्वारा लिये गये निर्णय सभी पर बंधनकारी हों गे तथा इन्हें चुनौती नही दी जा सके गी, निबन्ध भेजने का अर्थ हो गा कि यह प्रावधान निबन्ध भेजने वालों द्वारा मान्य हैं।

सचिव
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा,
भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

परिचयात्मक लेख

कोविड महामारी का प्रकोप चीन में जनवरी २०२० को आरम्भ हुआ और बड़ी तेज़ी से पूरे विश्व में फैल गया। भारत में भी इस के कुछ प्रकरण फरवरी २०२० में देखे गये परन्तु इस महामारी का व्यापक रूप मार्च २०२० में देखा गया। इस बीमारी के निदान के लिये न कोई दवाई का किसी को ज्ञान था, न ही इस की रोकथाम के लिये किसी टीके का ही पता था। टीके का आर्विभाव काफी समय के बाद हुआ।
भारत में इस रोग को फैलने से रोकने के लिये आवागमन के सभी साधनों को रोक दिया गया ताकि रोग नये नगरों तथा देहातों में न जा सके। सभी संस्थान – कार्यालय, विद्या स्थान, मनोरंजन स्थल, सिनेमा इत्यादि बन्द कर दिये गये ताकि लोगों का झमगट न हो सकें।
शिक्षा संस्थानों को बन्द करने के पश्चात विद्या प्रदाय के वैकल्पिक साधनों पर विचार किया गया। इस में इण्टरनैट की सहायता से कक्षायें आयोजित करने का तरीका शामिल था। चूँकि परीक्षायें भी आयोजित नहीं की जा सकीं, इस के लिये भी वैकल्पिक रास्ते डूँढे गये। सब मिला कर शिक्षा के क्षेत्र में यह गम्भीर संकट का काल रहा। और अभी भी सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो सकी तथा यह भी नहीं कहा जा सकता कि कब तक हो गी।
शिक्षा के इस संकट का प्रभाव छात्रों पर, अध्यापकों पर, विद्या संस्थानों पर, तथा सामान्य नागरिकों पर भी पड़ा है। प्रस्तावित निबन्ध प्रतियोगिता में इन सभी मुद्दों पर विचार करना अपेक्षित है।
छात्र तो प्रथम स्थान पर हैं ही क्योंकि शिक्षा उन्हीं के लिये है। इण्टरनैट पर शिक्षण की क्या सम्भावनायें हैं। क्या इस के लिये छात्रों के पास उपयुक्त साधन हैं तथा क्या उन्हें इस का सक्षम उपयोग की विधि का ज्ञान है। क्या इण्टरनैट के कारण उन के ध्यान में भटकाव भी हो सकता है। क्या अधिक उपयोग से आँखों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है इत्यादि। इन सब बातों को ध्यान में रखना हो गा।
अध्यपकों का प्रशिक्षण एक निर्धारित प्रणाली से अध्यापन करवाने की होती है। क्या उन के लिये इसे बदलना सम्भव है या आसान है। क्या इण्टरनैट पर उन के द्वारा छात्रों को वैसी ही बात समझाई जा सकती है जैसे कक्षा में होता है। क्या उन के लिये फिर से प्रशिक्षण की बात की जाना चाहिये।

इसी समस्या का तीसरा पक्ष। माता पिता का क्या कर्तव्य रहे गा। उन्हें एक ओर तो बच्चों का मार्गदर्शन करना हो गा तथा दूसरी ओर उन पर नियन्त्रण भी रखना हो गा ताकि मोबाईल का अथवा लेप टाप का सही उपयोग हो सके। उन माता पिता का क्या हो गा जो स्वयं पढ़े लिखे नहीं हैं अथवा जिन्हें कम्प्यूटर के उपयोग का ज्ञान नहीं है।

समस्या का चौथा पक्ष। परीक्षाओं का क्या हो गा। क्या परीक्षा के लिये शाला में अथवा निर्देशित स्थान पर जाना हो गा अथवा घर बैठे ही परीक्षा देना हो गी। परीक्षा का समय क्या हो गा। इस में कोई अनियमता न हो, इस का ध्यान कैसे रखा जाये गा।

समस्या का पाँचवाँ पक्ष। समाज पर इस नयी पद्धति का क्या प्रभाव पड़े गा। नौकरी देते समय किन बातों पर विचार करना हो गा। क्या वह अभ्यार्थियों के ज्ञान का पुनः परीक्षण करें गे अथवा विश्वविद्यालय अथवा शिक्षा मण्डल द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र पर विश्वास करें गे। यही बात व्यवसायिक शिक्षा संस्थानों (जेसे आई आई टी, चिकित्सा महाद्यिालय, इत्यादि) के लिये भी लागू हो गी।

इस के अतिरिक्त अन्य बातों पर भी निबन्ध लिखते समय ध्यान देना हो गा क्योंकि सम्भावनाओं का कोई अन्त नहीं है।